1 यूहन्ना 5:10-12 (HNSB – हिंदी बाइबल सोसायटी संस्करण) [10] जो परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करता है वह इस गवाही को स्वीकार करता है; जो परमेश्वर पर विश्वास नहीं करता वह उसे झूठा कहता है क्योंकि उसने परमेश्वर द्वारा उसके पुत्र के विषय में दिया गया गवाही को स्वीकार नहीं किया।
[11] और यह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अनंत जीवन दिया
है, और वह जीवन उसके पुत्र में है।
[12] जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है; जिसके पास
परमेश्वर का पुत्र नहीं है, उसके पास जीवन नहीं है।

कल्पना कीजिए: राष्ट्रपति को उसके मौसम विभाग की टीम से बताया जाता है कि एक भयानक तूफान आने वाला है। वे उसे इसके विनाशकारी प्रभाव के बारे में चेतावनी देते हैं और तुरंत कार्रवाई करने को कहते हैं ताकि नागरिकों की सुरक्षा हो सके। राष्ट्रपति जनता को चेतावनी देता है कि वे समुद्र तटों से दूर रहें, घर के अंदर रहें, और सुरक्षा नियमों का पालन करें जब तक खतरा टल न जाए।

लेकिन अगले दिन, राष्ट्रपति के मंत्री और सरकारी अधिकारी समुद्र तट पर मस्त नजर आते हैं, साफ आसमान में तैरते हैं, और मस्ती करते हैं, जैसे कोई तूफान आने वाला ही नहीं। वे चेतावनियों को नजरअंदाज करते हैं और हर चीज सामान्य होने का नाटक करते हैं।

ऐसा देखकर जनता क्या सोचेगी?

वे कहेंगे, “राष्ट्रपति झूठा है! उसने हमें तबाही की चेतावनी दी, लेकिन उसके अपने लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे! वह हमें धोखा दे रहा है!”

अब सोचिए राष्ट्रपति कैसा महसूस करेगा जब वह देखे कि जिन लोगों को उसने बचाने की कोशिश की, वे उसकी चेतावनी को अनदेखा कर रहे हैं और उसकी सच्चाई पर संदेह कर रहे हैं?

यह ठीक वैसा ही है जो हम मनुष्य अक्सर परमेश्वर के साथ करते हैं और इसी से हम परमेश्वर को झूठा साबित करते हैं। परमेश्वर हमें शास्त्रों के माध्यम से, यीशु मसीह के द्वारा, और पवित्र आत्मा के द्वारा चेतावनियां देता है। जब हम उसके उद्धार के आह्वान को अनदेखा करते हैं, तो हम अनजाने में परमेश्वर को झूठा कह देते हैं।

परमेश्वर की गवाही मसीह में

परमेश्वर ने अपने पुत्र को इस विशेष उद्देश्य के लिए संसार में भेजा है: हमें हमारी स्थिति के सत्य के विषय में बताने के लिए—जो पापी और उद्धार के लिए आवश्यक है। यीशु मसीह की गवाही केवल उनके जीवन और चमत्कारों के बारे में नहीं है, बल्कि मानवता

को पाप के परिणामों से बचाने की आवश्यकता के बारे में है।

यूहन्ना 14:6 (HNSB) – यीशु ने कहा, “मैं मार्ग और सच्चाई और जीवन हूँ; कोई भी मेरे द्वारा पिता के पास नहीं आता।”

जब यीशु ने यह कहा, तो वे एक विशेष दावा कर रहे थे। वे यह नहीं कह रहे थे कि वे परमेश्वर तक पहुंचने के कई रास्तों में से एक हैं, बल्कि वे अकेले मार्ग हैं। इसे अस्वीकार करना परमेश्वर को झूठा साबित करना है, जैसे हम बिना यीशु के अनंत जीवन या परमेश्वर के साथ शांति पा सकते हैं।

मनुष्य की समस्या यह है कि हम अक्सर परमेश्वर की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेते। हम सोचते हैं कि क्योंकि हमें तुरंत हमारे कर्मों के परिणाम दिखाई नहीं देते, इसलिए कोई खतरा नहीं है। यही वह रवैया था जो यीशु के समय के लोगों का था। उन्होंने यीशु के चमत्कार देखे और उनकी शिक्षा सुनी, लेकिन फिर भी कई लोग उन्हें अनदेखा कर गए और अंत में परमेश्वर के वचन की सच्चाई को अस्वीकार कर दिया।

रोमियों 1:18-20 (HNSB)

[18] “परमेश्वर का क्रोध स्वर्ग से प्रकट होता है उन सभी अधर्मी और दुष्टों के विरुद्ध जो अपने दुष्टपन से सत्य को दबाते हैं,
[19] क्योंकि जो परमेश्वर के बारे में जाना जा सकता है वह उनके लिए स्पष्ट है, क्योंकि परमेश्वर ने इसे उन्हें स्पष्ट कर दिया है।
[20] क्योंकि संसार की सृष्टि से ही परमेश्वर की अदृश्य शक्तियाँ और दैवीय स्वभाव की झलक देखी जा सकती है, उनकी
रचनाओं से जाना जा सकता है, इसलिए वे निराधार नहीं हैं।”

परमेश्वर की गवाही छिपी हुई नहीं है; वह स्पष्ट है। उन्होंने अपनी सृष्टि, अपने वचन, और सबसे स्पष्ट रूप से अपने पुत्र के द्वारा खुद को प्रकट किया है। लेकिन जब हम परमेश्वर की गवाही को अस्वीकार करते हैं, तो हम उसे झूठा साबित करने की स्थिति में आते हैं।

परमेश्वर की सत्य को अस्वीकार करने के परिणाम

बाइबल बार-बार चेतावनी देती है कि मसीह में परमेश्वर की गवाही को अस्वीकार करने के परिणाम क्या होते हैं। उद्धार का सन्देश अस्वीकार करना जीवन को ही अस्वीकार करना है।

यूहन्ना 3:36 (HNSB)
“जो पुत्र पर विश्वास करता है, उसके पास अनंत जीवन है, और जो पुत्र को अस्वीकार करता है, वह जीवन नहीं देखेगा, क्योंकि परमेश्वर का क्रोध उस पर बना रहता है।”

यह गंभीर बात है। यीशु मसीह को अस्वीकार करना कोई मामूली बात नहीं है। यह जीवन और मृत्यु का प्रश्न है—अनंत जीवन या परमेश्वर से अनंत अलगाव।

1 यूहन्ना 5:11-12 में हम देखते हैं कि परमेश्वर की गवाही अनंत जीवन के बारे में है। यह जीवन उसके पुत्र में है। अनंत जीवन पाने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है सिवाय यीशु मसीह के। जो लोग मसीह को अस्वीकार करते हैं, वे जीवन को अस्वीकार करते हैं और आध्यात्मिक मृत्यु में बने रहते हैं। इसलिए बाइबल कहती है कि पुत्र को अस्वीकार करना परमेश्वर को झूठा साबित करना है क्योंकि यह परमेश्वर के वचन की स्पष्ट और निरंतर गवाही के खिलाफ है।

परमेश्वर की सत्य को स्वीकार करने का निर्णय

1 यूहन्ना 1:10 (HNSB)

“यदि हम कहते हैं कि हमने पाप नहीं किया, तो हम उसे झूठा
बताते हैं, और उसका वचन हमारे भीतर नहीं है।”

यदि हम कहते हैं कि हमें यीशु की आवश्यकता नहीं है—कि हम अपने दम पर ही अच्छे हैं, या कि परमेश्वर तक पहुँचने के कई रास्ते हैं—तो हम शास्त्र की गवाही को अस्वीकार कर रहे हैं, जो कहती है कि सभी ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से वंचित हैं (रोमियों 3:23)। बाइबल स्पष्ट रूप से कहती है कि यीशु ही उद्धार का एकमात्र मार्ग है, और इसे अस्वीकार करना परमेश्वर के वचन को अस्वीकार करना है।

प्रेरितों के काम 4:12 (HNSB)
“और उद्धार किसी और में नहीं है; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों के लिए कोई और नाम नहीं दिया गया है जिससे हम
उद्धार पाएं।”

यह सुसमाचार का मूल है: यीशु ही एकमात्र उद्धारकर्ता हैं, और उनके क्रूस पर किए गए कार्य के द्वारा ही हम परमेश्वर के साथ मेल कर सकते हैं। यदि हम इसे अस्वीकार करते हैं, तो हम परमेश्वर को झूठा साबित करते हैं क्योंकि परमेश्वर ने रास्ता पहले ही प्रदान कर दिया है।

कार्रवाई के लिए आग्रह

तो सवाल यह है: क्या आपने यीशु को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता माना है? यदि नहीं, तो मैं आपको आग्रह करता हूँ कि आप आज ही ऐसा करें। दिन खत्म होने से पहले परमेश्वर के वचन की सच्चाई को स्वीकार करें। यीशु मसीह को अस्वीकार करना केवल उद्धार को अस्वीकार करना नहीं है, बल्कि यह परमेश्वर को झूठा साबित करना भी है।

आज ही यीशु मसीह पर विश्वास करने का निर्णय लें। अनंत जीवन केवल उन्हीं में है। उनके बिना, आप आध्यात्मिक अंधकार में हैं और परमेश्वर का क्रोध आपके ऊपर बना रहेगा।

यूहन्ना 5:24 (HNSB)
“सच सच मैं तुमसे कहता हूँ, जो मेरा वचन सुनता है और जिसने
मुझे भेजा है उस पर विश्वास करता है, उसका अनंत जीवन है, और
वह न्याय के लिए नहीं जाता, बल्कि वह मृत्यु से जीवन में प्रवेश कर चुका है।”

यह सुसमाचार की सच्चाई है। परमेश्वर को झूठा साबित न करें। उसके पुत्र यीशु मसीह पर विश्वास करें और वह अनंत जीवन प्राप्त

करें जो वह देता है।

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp